

11.6.10

प्राथमिक पत्र पेश होने पर प्रजावली राज
 देव्य दौरी शलेमगढ मे रेफर की गई।
 पक्षकारानव कर्तव्यवन्तागण उदा राजी
 नामा पेश किया राजी नाम होने पक्षो
 को पढ़कर खुनाला पुन समझ सही
 मानकर अपने अपने इत्तासाप अंगूठे
 बिजे । वादी की पहचान की महावीर उलाद
 वरत मीन-व प्रतिवादी गणकी पहचान की
 जगदीश उलाद शर्मा A.V. ने की राजी
 नामा के सक्षक के श्री I.D. की चिगप्रतिपत्ति
 सरपंच शाम पंचायत भौटिकां से जारी
 राजेन्द्र का सदाकत प्रमाणपत्र विराट-तन
 साक्ष में राजेन्द्र के पिता वृजलाल पुत्र
 श्री डा. सुरव से नाम की चक नं. 1 नामा

सुमेश कुमार
 श्री. वि. प्र. म. 34
 1. by me मंग.
 11/6/10
 रजिस्ट्रार
 सा. को.
 पं. राज.
 11/6/10
 अ. प्र.
 नाम अ. प्र.
 दि. को.
 स. प्र.
 लोक अ. प्र.
 दि. को.

की जागीरवादी की नव दस्तावेजों में मिल
पति पेशाबी हैं शामिल हैं। जिससे विराट्
सम्पत्ति होना साबित है। बाकी द्वारा पैसा
विराट् न स्यात् राजीकरण, घाटिलान तस्दीक
के आधार पर बाकी बाकी साबित होने से
दिसी विद्या जागीरों निष्पन्न हो लगे। इन्हीं
मालगले जागीरों। निम्नानुसार शुल्क
जागीर होने पर नकल दिनी जागीर हो।
फगावली में लल भुम्मा होमा नम्बर है
कमकी जागीर दिखल रूप में है ✓